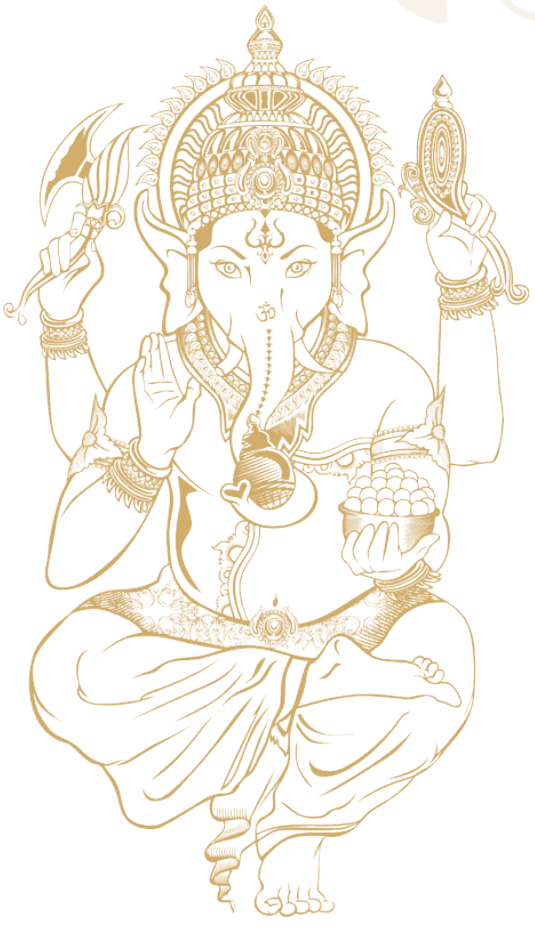

Deepak Deepika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121337506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/10/2001	जन्म तिथि	13/07/2001
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 07:00:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 01:47:46	जन्म समय(घटी)	00:54:11 घटी
India	देश	India
Bandikui	स्थान	Bandikui
27:01:00 उत्तर	अक्षांश	27:01:00 उत्तर
76:33:00 पूर्व	रेखांश	76:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:48	स्थानिक संस्कार	-00:23:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:53	सूर्योदय	05:38:19
18:09:04	सूर्यास्त	19:20:26
23:52:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 10वर्ष 5मा 12दि	23:49:48	कन्या	लग्न	कर्क	00:38:23	बुध 15वर्ष 0मा 21दि
बुध	15:03:06	कन्या	सूर्य	मिथु	26:49:19	शुक्र
15/03/2012	09:19:56	मीन	चंद्र	मीन	18:11:21	04/08/2023
15/03/2029	19:21:38	धनु	मंगल व	वृश्चि	21:34:21	04/08/2043
बुध 12/08/2014	05:48:21	तुला व	बुध	मिथु	06:12:38	शुक्र 03/12/2026
केतु 09/08/2015	20:13:37	मिथु	गुरु	मिथु	06:07:49	सूर्य 04/12/2027
शुक्र 09/06/2018	19:33:03	सिंह	शुक्र	वृष	14:08:47	चन्द्र 03/08/2029
सूर्य 15/04/2019	21:04:10	वृष व	शनि	वृष	16:26:22	मंगल 03/10/2030
चन्द्र 14/09/2020	07:07:06	मिथु व	राहु व	मिथु	12:22:40	राहु 03/10/2033
मंगल 11/09/2021	07:07:06	धनु व	केतु व	धनु	12:22:40	गुरु 03/06/2036
राहु 30/03/2024	27:22:15	मक व	हर्ष व	कुंभ	00:13:29	शनि 04/08/2039
गुरु 06/07/2026	12:11:10	मक व	नेप व	मक	13:58:21	बुध 04/06/2042
शनि 15/03/2029	19:05:02	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:06:13	केतु 04/08/2043

लग्न-चलित

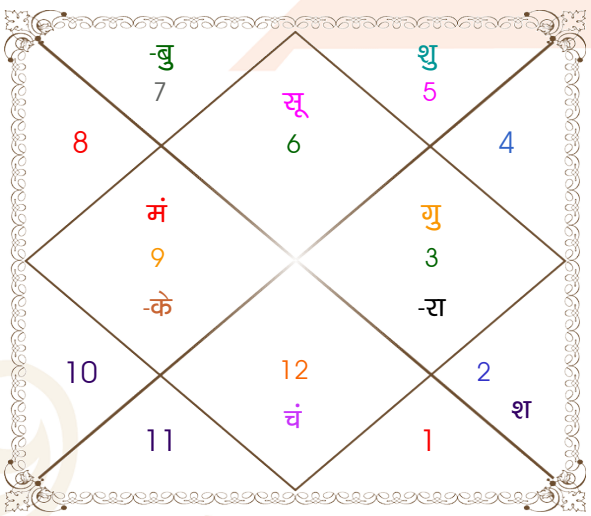

लग्न-चलित

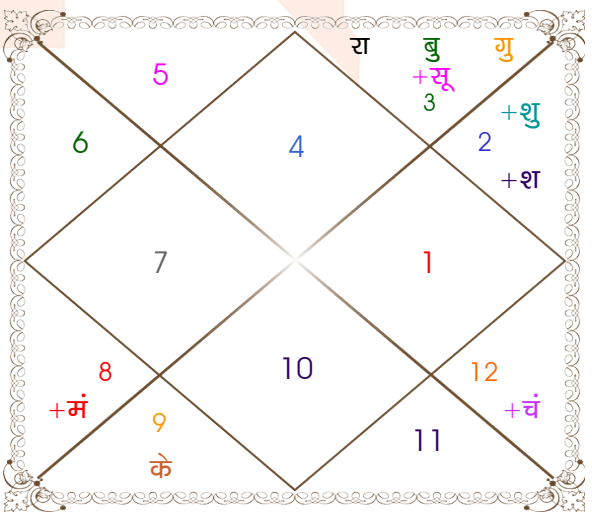

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

क्ममचां का वर्ग सर्प है तथा क्ममचपां का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचां और क्ममचपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

क्ममचपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्ममचपां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचां तथा क्ममचपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।